52वें राष्ट्रीय माइंड बॉडी मेडिसिन के तहत...

केयरिंग, कंपैशन एंड कम्युनिकेशन विषय पर डॉक्टर्स महासम्मेलन

ओ.आर.सी. गुरुग्राम(हरियाणा)। भारत सरकार के केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने ओम शांति रिट्रीट सेंटर ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा 52वें राष्ट्रीय माइंड बॉडी मेडिसिन में 'केयरिंग, कंपैशन एंड कम्युनिकेशन' विषय पर कहा कि जब आत्मा का परमात्मा से संबंध स्थापित हो जाता है तो शब्दों का महत्व कम हो जाता है। परमात्मा एक ऐसा बिंदु है जिस तक पहुंचने का सभी प्रयास कर रहे हैं। यहाँ आने पर मुझे जो अनुभव हुआ, शब्दों में बयाँ करना मुश्किल है। माननीय मंत्री ने कहा कि भगवान ने डॉक्टर्स को विशेष शक्तियां दी हैं। कोविड के समय डॉक्टर्स की भूमिका बहुत विशेष रही है। डॉक्टर्स ने स्वयं की परवाह किए बिना दूसरों की सेवा में अपना सारा समय दिया। जीवन का लक्ष्य किसी पद पर पहुंचना नहीं बल्कि जीवन का असली लक्ष्य दूसरों के जीवन में खुशियाँ और सकारात्मकता लाना होना चाहिए। डॉ. योगिता स्वरूप,वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने कहा कि सबसे पहले मन को हील करने की जरूरत है। मन की हीलिंग ही शरीर को भी हील करती है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान में इस प्रकार का वातावरण मन को हील करता है। ओआरसी की निर्देशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने कहा कि सबसे पहले स्वयं की केयर जरूरी है। केयर सिर्फ शरीर की नहीं बल्कि मन की भी है। मन को पॉज़िटिव रखना ही मन की केयर है। जब हम स्वयं की केयर करेंगे तो हमारे आस-पास के लोग भी स्वयं को सुरक्षित अनुभव करेंगे। ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त महासचिव राजयोगी ब्र.कु. डॉ. प्रताप मिड्ढा ने कहा कि यह विश्व में एकमात्र ऐसा संस्थान है, जिसका संचालन महिलाएं करती हैं। वर्तमान समय की चुनौतियां जिस प्रकार का तनाव पैदा कर रही हैं, उससे डॉक्टर्स भी अछूते नहीं हैं। सम्पूर्ण स्वास्थ्य के लिए योग का विशेष महत्त्व है। मेडिसिन के साथ मेडिटेशन जरूरी है। कार्यक्रम में संस्थान के मेडिकल विंग के सचिव राजयोगी ब्र.कु. डॉ. बनारसी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान ने देशभर के साढ़े चार करोड़ से भी अधिक लोगों को जागृत किया है। कार्यक्रम में जीबी पंत हॉस्पिटल के हृदय रोग विभाग के प्रोफेसर डॉ. मोहित गुप्ता ने भी अपने विचार रखे। दिल्ली,लॉरेंस रोड सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. लक्ष्मी दीदी ने राजयोग का गहन अनुभव कराया। मंच संचालन जीबी पंत हॉस्पिटल के पैथोलॉजी विभाग की प्रोफेसर डॉ. रीना तोमर ने किया। त्रिदिवसीय कार्यक्रम में लगभग 600 से भी अधिक चिकित्सकों एवं शिक्षाविदों ने शिरकत की।

वेद और पुराणों के प्रणेता शिव : महामंडलेश्वर बंसी पुरी जी

कुरुक्षेत्र-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ के विश्व शांति धाम सेवाकेन्द्र में महाशिवरात्रि पर्व 90वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर श्री बंसी पुरी जी महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था द्वारा प्रतिवर्ष शिवरात्रि पर शिव लीलाओं का गान किया जाना अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण ब्रह्मांड शिव में समाहित है– ज्ञान, वैराग्य, वेद और पुराणों के प्रणेता शिव हैं। शिव की कृपा के बिना कुछ भी पाना असंभव है। ब्र.कु. मधु ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्था का संक्षिप्त परिचय दिया। सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. सरोज दीदी ने कहा कि परमात्मा शिव अज्ञानता का पर्दा हटाने के लिए अवतरित होते हैं और राजयोग के माध्यम से मन-बुद्धि को एकाग्र कर परमात्मा से जुड़ना ब्रह्माकुमारीज़ संस्था में सिखाया जाता है। राधा बहन, शकुंतला बहन, मेहर सिंह मलिक,एडवोकेट, एडवोकेट महेंद्र सिंह तंवर,अखिल भारतीय क्षेत्रीय सभा अध्यक्ष, डॉ. आर.के. अग्रवाल,एन.आई.टी. कुरुक्षेत्र, पंडित जय नारायण शर्मा, दीनानाथ अरोड़ा, धर्मवीर सिंह,जिंदल हाउस, पंडित पवन शर्मा,प्रधान,ब्राह्मण सभा, धीरज गुलाटी, धर्मपाल गुप्ता,पूर्व प्रधान,अनाज मंडी, गुरफतेह सिंह कंग, संजय जी जिला संघ प्रमुख सहित अनेक गणमान्य अतिथि एवं प्रबुद्धजनों ने दीप प्रज्वलित कर और शिव ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। गौरव, शैलजा, राजकुमार, पार्थ, अग्रिम एवं तन्वी ने लघु नाटिका द्वारा वर्तमान समय में फैले अंधविश्वास का पर्दाफाश करते हुए स्पष्ट किया कि शिव परमात्मा निराकार ज्योति-बिंदु है, जबकि शंकर देहधारी देव हैं– इसी कारण शिव के लिए परमात्मा नमः और शंकर के लिए देवाय नमः कहा जाता है। ब्र.कु. शकुंतला ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

करुणा और समर्पण भाव से समाज को मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य कर रही ब्रह्माकुमारीज़: आशुतोश महाराज

देहरादून-उत्तराखंड। ब्रह्माकुमारीज़ के सुभाष नगर सेवाकेन्द्र में 'ब्रह्माकुमारी संस्था का नवदशकोत्सव' के अवसर पर आदि शंकराचार्य वैदिक वेलनेस फाउंडेशन के संस्थापक अंतर्राष्ट्रीय संत स्वामी योगीराज योगी आशुतोष जी महाराज ने संस्थान की महिमा करते हुए कहा कि पूर्व से पश्चिम तक, केवल भारत ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व में यदि कोई शोषित, पीड़ित या वंचित है, तो उसे करुणा, दया और समर्पण भाव से अपनाकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य ब्रह्माकुमारीज़ कर रही है। उन्होंने कहा कि यहाँ केवल राजयोग ही नहीं, बल्कि सभी प्रकार के योग एक ही छत्रछाया में उपलब्ध हैं। यह संस्था 140 से अधिक देशों में संकल्पों की शक्ति द्वारा विश्वकल्याण की सेवा कर रही है। तत्पश्चात आपदा प्रभाग के सचिव ज्योतिर्मय त्रिपाठी ने संस्था से जुड़ने के अपने अनुभव साझा किए तथा महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दी। ओम शांति रिट्रीट सेंटर,गुरुग्राम की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने महाशिवरात्रि की बधाई देते हुए कहा कि इस शिवरात्रि में 'साइलेंस पॉवर' के माध्यम से मन्सा-संकल्पों को शक्तिशाली बनाकर अपने मन-मंदिर को सच्चा शिवालय बनाएं, जहाँ परमात्मा का वास हो। उपक्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. मंजू दीदी ने भी अपने विचार रखे। कुमारी पावनी द्वारा सुंदर स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया। कुमारी स्वाति एवं कुमारी नताशा द्वारा ब्रह्माकुमारी संस्था की 90वर्षों की यात्रा को संवाद द्वारा प्रस्तुत किया गया। मंच का कुशल संचालन ब्र.कु. सुशील द्वारा किया गया।

अज्ञान अंधकार को मिटाने के लिए परमात्मा होते अवतरित

ऋषिकेश-उत्तराखंड। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन आदरणीय संत रवि शास्त्री,तुलसी मानस मन्दिर,स्वामी श्री रामेश्वर गिरि जी महाराज,पंच दशनाम जूना अखाड़ा, स्वामी श्री रघुवीर गिरि जी महाराज,निरंजन अखाड़ा, योगीराज योगी आशुतोष महाराज जी,आदि वैलनेस सेन्टर, स्वामी शिवानन्द महाराज, स्वामी आलोक हरिहर गिरि जी, माननीय शंभू पासवान, मेयर नगर निगम ऋषिकेश एवं राजयोगिनी ब्र.कु. मंजू दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. मीना दीदी व ऋषिकेश सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. आरती दीदी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। दीप प्रज्वलन ने ज्ञान, शांति और आत्मिक जागृति का संदेश पूरे सभागार में प्रकाशित किया। महंत रवि शास्त्री जी ने सर्वप्रथम तीनों पावन उत्सवों की सभी को हार्दिक बधाई दी। आप सभी सौभाग्यशाली हैं जो प्रतिदिन परमात्मा के सत्संग का लाभ प्राप्त करते हैं। क्योंकि अंत समय में साथ जाने वाली एकमात्र धरोहर परमात्मा का सुमिरन ही है। परम श्रद्धेय स्वामी शिवानंद जी महाराज ने अपने आशीर्वचनों में बताया कि संसार में कोई भी व्यक्ति दुःख नहीं मांगता, सिवाए माता कुंती के। सुख और दुःख दोनों ही नियति का हिस्सा हैं। परमात्मा हमसे दूर नहीं है, उसे देखने के लिए केवल अहंकार रूपी पर्दे को अपनी आँखों से हटाना आवश्यक है। अपने उद्बोधन में ब्र.कु. मंजू दीदी ने महाशिवरात्रि के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि शिव कोई देहधारी देवता नहीं, बल्कि ज्योति बिंदु स्वरूप, सर्वशक्तिवान, निराकार परमपिता हैं, जो कलियुग के अंधकार में ज्ञान का प्रकाश देने अवतरित होते हैं। योगीराज योगी आशुतोष महाराज जी ने अपने दिव्य उद्बोधन में कहा कि यह संस्था परिवारों को जोड़ने तथा उन्हें पवित्र बनाने का सतत कार्य कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि शत-प्रतिशत शुद्ध और सच्चे संकल्प सदैव पूर्ण होते हैं। इसके पश्चात् ब्र.कु. आरती दीदी ने बताया कि शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा आदि चढ़ाने का वास्तविक अर्थ बाहरी पूजा नहीं, बल्कि अपनी बुराइयों, विकारों और नकारात्मक संस्कारों का त्याग कर उन्हें परमात्मा को समर्पित करना है। मंच का संचालन ब्र.कु. सुशील ने किया।

RNI NO. RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/24-26, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2024-26, Posting on 23th TO 24th Each Month.
स्वामी - वक ई.आर.एक, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नासिकाने द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 881-I, Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शान्तिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़, तलहटी, आबू रोड, शान्तिवन - (राज.) - 307510
See Latest News login
www.omshantimedia.org